

रेशम जैसी टंसती-खिलती
नभ से आई रुक किरण
फूल-फूल की मीठी-मीठी
शुशुपियाँ लाई रुक किरण।

पड़ी उल्लस की थी कुछ धूलें
झिलमिल-झिलमिल पत्तों पर
उनमें जाकर दीपा जलाकर
ज्यों मुस्काई रुक किरण।

लाल - लाल धाखी सा सूरज
उठकर आया पूरब में
फिर सोने के तारों जैसी
नभ में छाई रुक किरण।

रुक किरण से बदल गया जग
पिड़ियाँ गातीं गीत-चलीं
हवा चली, टिल उठे पेड़ सब
सबको भायी रुक किरण।

सूरज आया दिन मुस्काया
जागी दुनिया भोर हुई
नया-नया मन, ताजा जीवन
सबको लाई रुक किरण।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) नभ से आई किरण कैसी है ?

(ख) सूरज किस दिशा में निकला है और वह कैसा लग रहा है ?

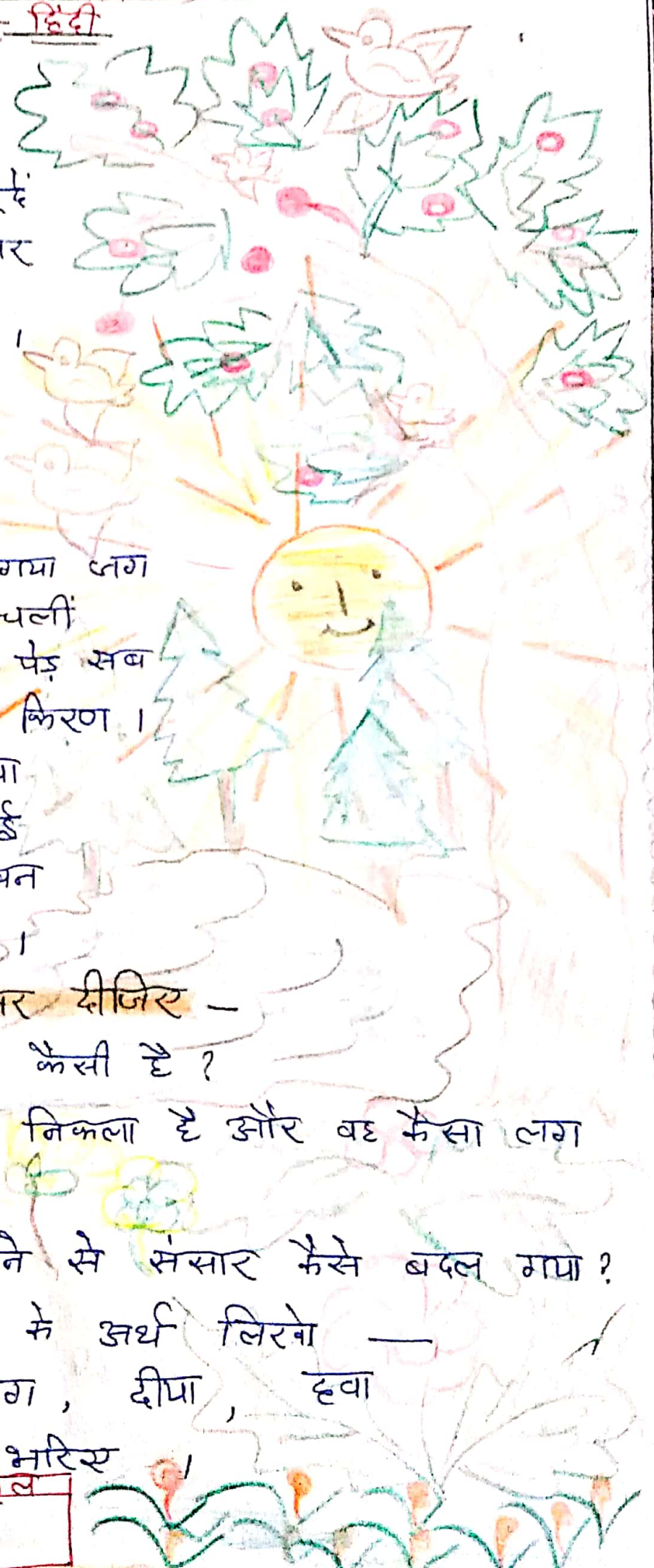
(ग) रुक किरण के आने से संसार कैसे बदल गया ?

(घ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखो -

नभ, भोर, जग, दीपा, हवा

(ङ) चित्र बनाकर रंग भरिए।

सूरज	फूल



(पर्यायवाची शब्द)

नभ - गगन, आसमान, आकाश

पैड़ - वृक्ष, तरु, पादप

फूल - पुष्प, सुमन, प्रसून

हवा - वायु, समीर, पवन



कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए -

(क) रेशम जैसी _____

किरण

फूल - फूल _____

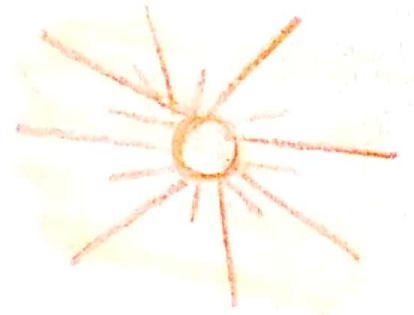
रक्त किरण

(ख) सूरज आया _____

भौर हुई ।

नया - नया _____

रक्त किरण ।



वचन बदली -

चिड़िया _____, पत्ता _____, तारा _____,

धाली _____, तितली _____, द्वात्र _____ ।

बहुविकल्पी प्रश्न



सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए—

1. किरण फूलों से क्या लाई है?

(क) मीठी खुशियाँ

(ख) चमक-दमक

2. सूरज को कैसा बताया गया है?

(क) लाल-लाल थाली-सा

(ख) सोने के तारों जैसा

3. दिन कब मुसकाता है?

(क) सूरज के आने पर

(ख) भोर होने पर